

---

## Shri Bala Stotram 5

---

# श्रीबालास्तोत्रम् ५

---

## Document Information



---

Text title : Shri Bala Stotram 5

File name : bAlAstotram5.itx

Category : devii, dashamahAvidyA, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

Description/comments : bAlAsaparyA saparyAkrama-nAmAvalI-stotrAdisaNgrahaH

Latest update : March 21, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 22, 2020

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीबालास्तोत्रम् ५



स्फटिकरजतवर्णं मौक्तिकामाल्यभूषं  
अमृतकलशविद्याज्ञानमुद्राः कराग्रैः ।  
दधतमृषभकक्ष्यं चन्द्रचूडं त्रिनेत्रं  
विधृतविधिवभूषं दक्षिणामूर्तिमीडे ॥ १ ॥


एङ्कारैकसमस्तशत्रुरचनामावेद्य मूर्तिप्रदां  
ऐश्वर्यादिकमष्टभोगफलदामैश्वर्यदां पुष्पिणीम् ।  
ऐन्द्रव्याकरणादिशास्त्रवरदामैरावताराधितां  
ऐशानीं भुवनत्रयस्य जननीमैङ्कारिणीमाश्रये ॥ २ ॥

ह्रीङ्कारैकसमस्तवश्यकरिणीं ह्रीं पञ्चबाणात्मिकां  
ह्रीं विद्रारणकारिणीं वरशिवां ह्रीन्नां शिवालिङ्गिताम् ।  
ह्रीबोऽपि प्रणमन्भवानि भवतीं ध्यात्वा हृदम्भोरुहे  
ह्रीन्नाशेषवशीकरो भवति यत्ह्रीङ्कारिणीं नौम्यहम् ॥ ३ ॥

सौः शब्दप्रथितामरादिविनुतां सूक्तिप्रकाशप्रदां  
सौभाग्याम्बुधिमन्थनामृतरसां सौन्दर्यसम्पत्करीम् ।  
सान्निध्यं दधतीं सदा प्रणमतां साम्राज्यलक्ष्मीप्रदां  
सौः काराङ्कितपादपङ्कजयुगां सौषुम्नगां नौम्यहम् ॥ ४ ॥

इति श्रीबालास्तोत्रम् (५) सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

